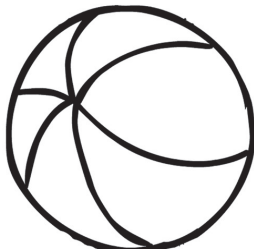
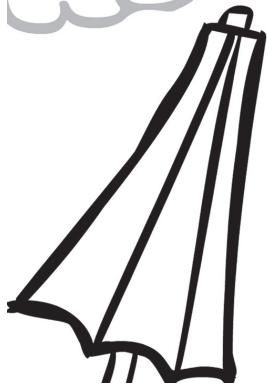


गोंडी

वलताना

एक चित्रकथा
गोंडी भाषा में



एकलव्य

चित्र: वाग्मी राघव

बलताना

सैर (गोंडी)

Sair (GONDI)

चित्र: वाग्मी राघव

हिन्दी से गोंडी अनुवाद: राजेश परते, उर्मिला तेकाम, दुर्गा धुर्वे, नेहा वाड़िवा
संयोजन: आकाश मालवीय, अशोक हनोते, हेमराज मालवीय, खेमप्रकाश यादव,
निदेश सोनी, राजेन्द्र देशमुख, सुनील हनोते
सम्पादकीय व उत्पादन सहयोग: अपूर्वा राजे, इन्दु श्रीकुमार व कमलेश यादव

दूरबीन एचटी पारेख फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से विकसित
यह किफायती संस्करण हिन्दी व कोरकू में भी उपलब्ध है

पहला संस्करण: मार्च 2024 (2000 प्रतियाँ)

कागज़: 100 gsm नेचुरल शेड मेपलिथो पर प्रकाशित

ISBN: 978-81-19771-03-5

मूल्य: ₹ 10.00

प्रकाशक: एकलव्य फाउंडेशन

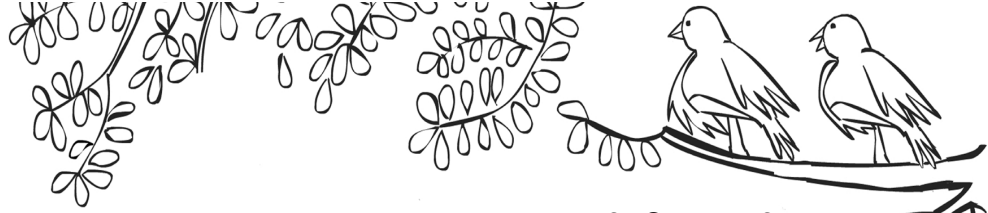
जमनालाल बजाज परिसर,

जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)

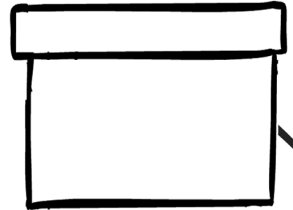
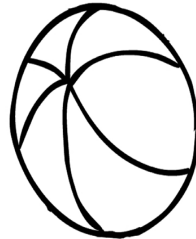
फोन: +91 755 - 297 7770, 71, 72

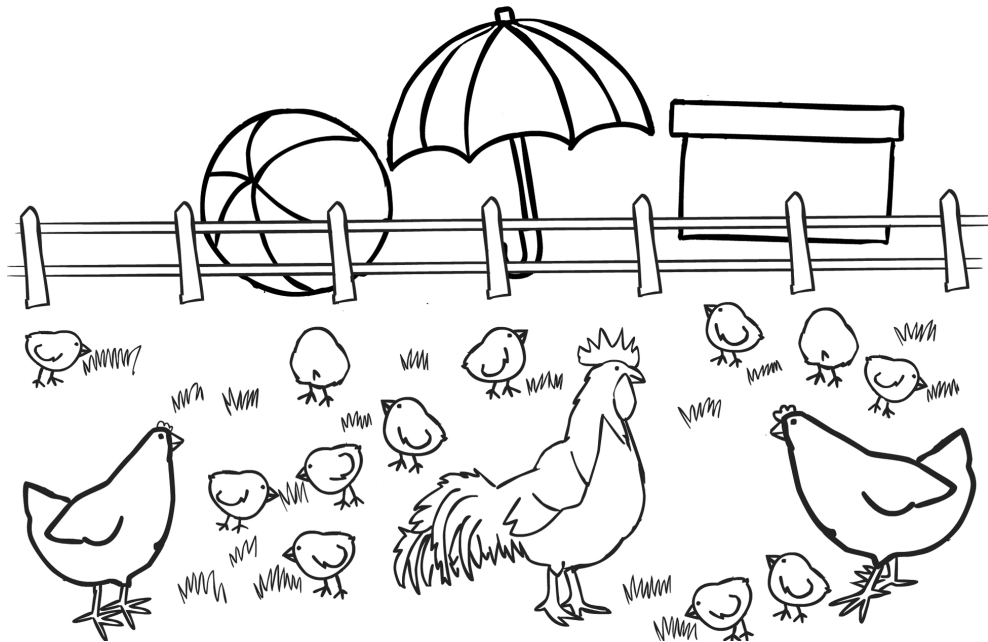
www.eklavya.in/books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिक्युप्रिंट प्रा लि, भोपाल फोन: +91 755 2687 589

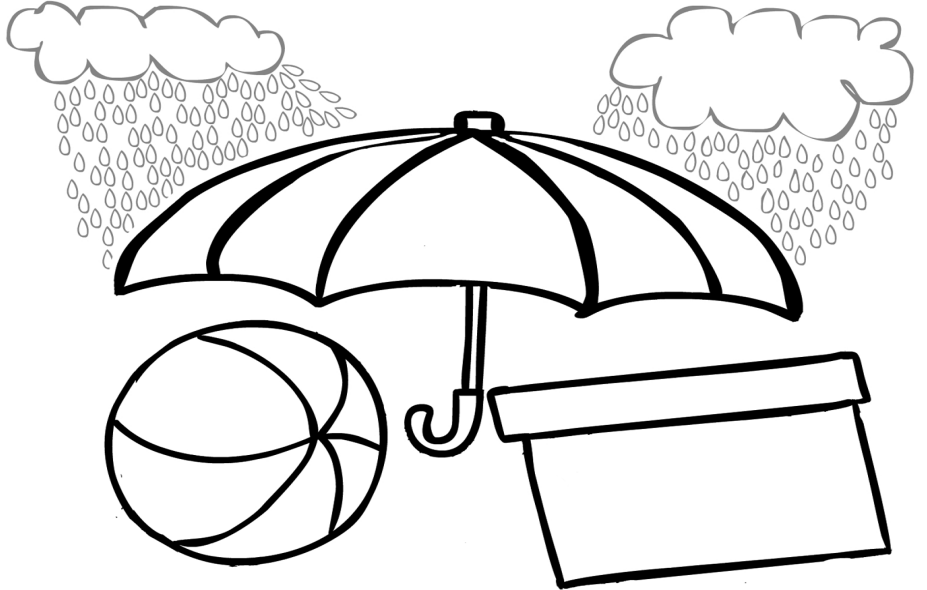


उंदी दिना उंदी छत्ता,
उंदी गेंद उंडे उंदी डब्बा
वलताले पसीतुंग ।



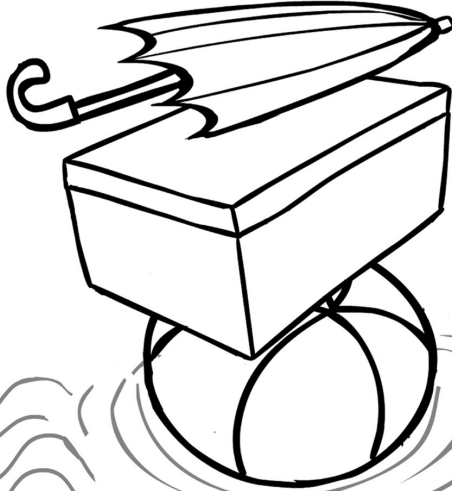


सररी ते पिर वातु ते छत्ताल सबतुन मुच्चुचेत ।

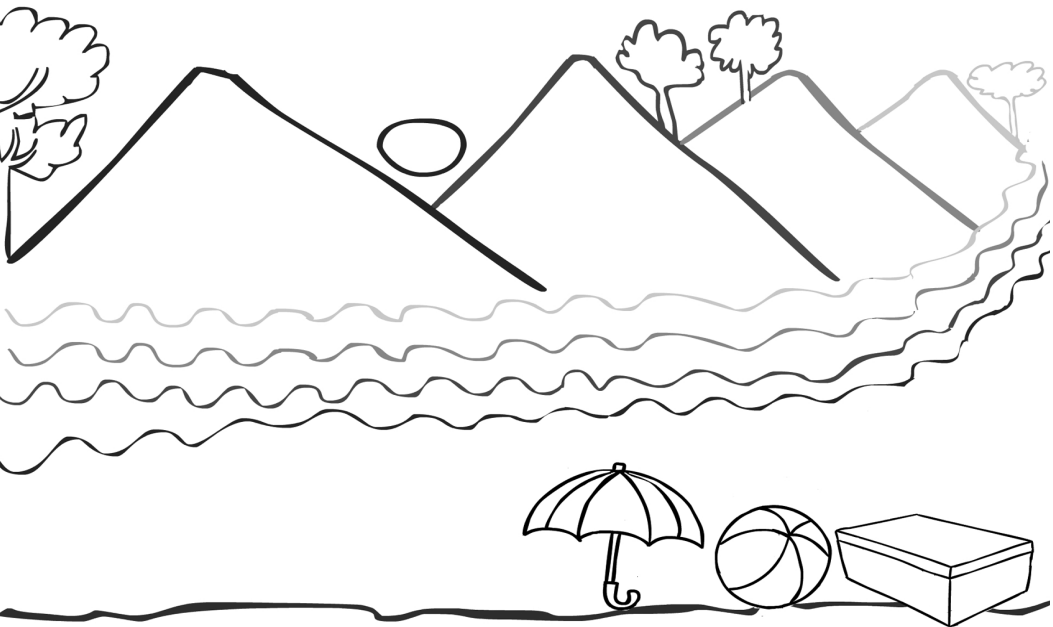




મુન્ને ઝંદી હોહા પુટતૂ ।



छत्ता उंडे डब्बा गेंद
ता परी उच्चीकुन
होनाकाक हत्तुंग ।

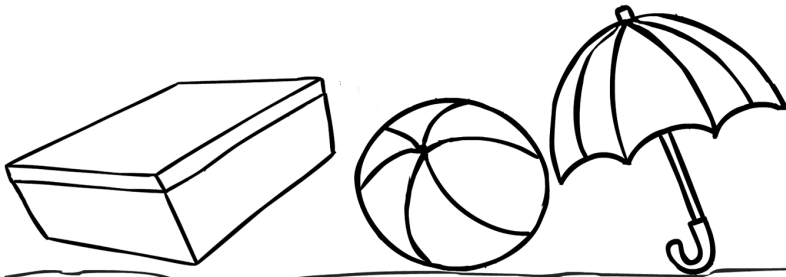




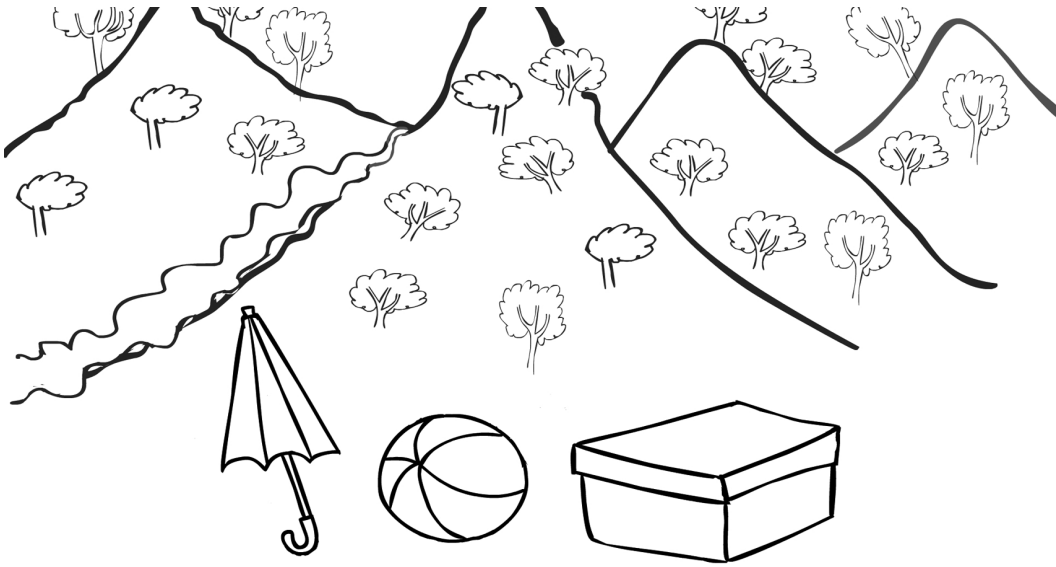
रात आसेत ।



जानवर्क न डर
तल छत्ता उंडे
गेंद डब्बा ता
रोपा नामसितुंग ।



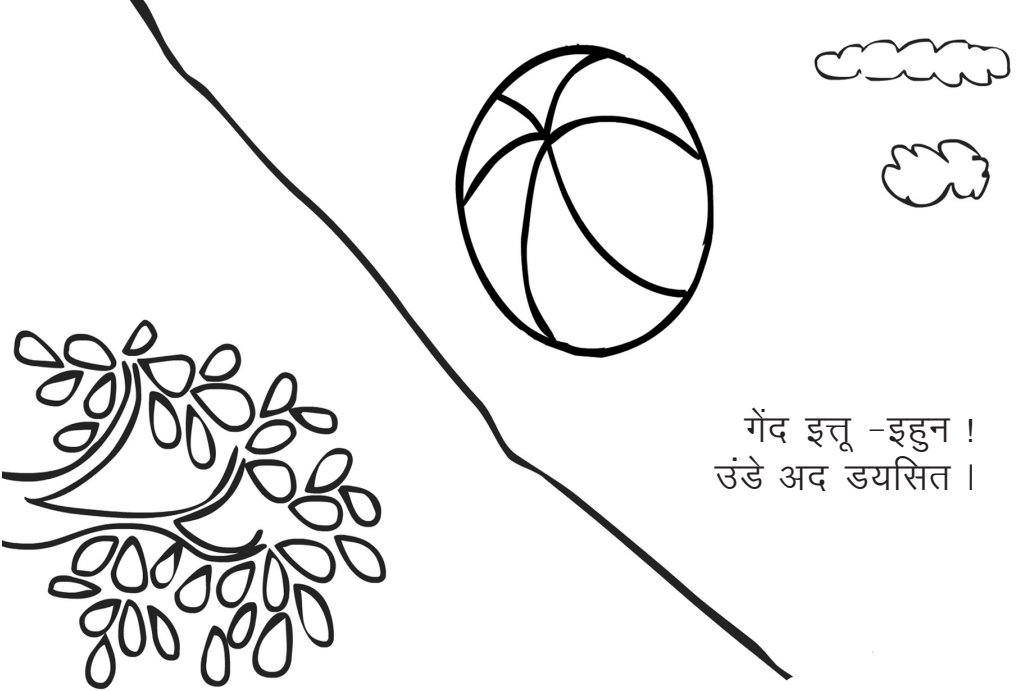
दूसरो दिना वोर फिरतल मुन्ने बढेमातुर ।



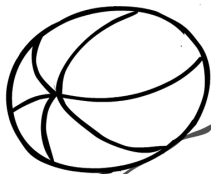
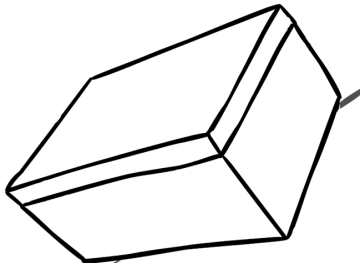
मुंटे ताकसी-ताकसीकुन उंदी ऊँचो मट्टात परों तरीसेतुर ।



गेंद वन्क्तु - लइसो
जोरतल प्यास
लागता । डब्बा उंडे
छत्ता वन्क्तुर मने
नीचो ब्रहुन दाकी?



गेंद इत्तू -इहुन !
उंडे अद डयसित ।



ताना पिज्जा छत्ता
वित्तू उंडे छत्ता ता
पिज्जा डब्बा ।

